सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

स्वमान- मैं परमात्म तख्तनशीन आत्मा हूँ।

अमृतवेले व नुमाशाम :- शिवबाबा से सर्वशक्तियों की किरणें मुझ आत्मा में निरंतर प्रवेश कर रही हैं.... ,परमात्म गोदी में बैठी मुझ आत्मा से निरंतर पवित्रता, सुख, शान्ति, आनन्द, प्रेम, खुशी व सर्व शक्तियों की किरणें सारे विश्व में फैल रही हैं.....। सर्व आत्माओं व प्रकृति को शुद्ध, शान्त व पावन बनाती जा रही हैं.....। विश्व की सर्व आत्माएं मुझ आत्मा की ओर देखकर प्यारे शिव बाबा से मिलने वाले सुख, शान्ति का गहन अनुभव कर रही हैं...।

नशा :- परमात्म तख्तनशीन, भृकुटी तख्तनशीन और विश्व के तख्तनशीन अधिकारी आत्मायें हम ब्राह्मण ही हैं। परमात्म तख्त सिर्फ हमारे भाग्य में ही है। हमें भक्ति मार्ग में कितनी ऊंची दृष्टि से देखते रहते हैं। वाह मेरा भाग्य, कोटों में कोई के रूप में मेरा गायन व पूजन होता है। वाह बाबा वाह, सचमुच आपने हमें कितना ऊंचा बना दिया.....।

स्मृति रहे :- देह-अभिमान व देहभान रुपी मिट्टी में पांव नहीं रखेंगे। देह-अभिमान रूपी गहरी मिट्टी शीघ्र ही मिट्टी में मिल जाएगी। मैं आत्मा देहभान की मिट्टी से अलग हूं.....। अब मुझ आत्मा के इस सृष्टि रंगमंच पर अंतिम क्षण भी पूरे हो रहे हैं... विश्व की सर्व आत्माओं को बापदादा का साक्षात्कार कराने के लिए ही मैं थोड़े से समय के लिए यहां रुकी हूं.....।

कर्म करते विशेष अटेन्शन :- कर्म करते-करते अचानक सेकेण्ड में फुलस्टॉप लगाकर निराकारी या फरिश्ता स्थिति का अभ्यास करेंगे।

शिवभगवानुवाच : आगे चलकर ऐसे सरकमस्टांस आयेंगे जो आपको सेकण्ड में फुलस्टॉप लगाना पड़ेगा। बहुत समय का अभ्यास आगे चल आपका सहयोगी बनेगा।

चलते-फिरते :- मैं आत्मा शान्ति के झूले में झूल रही हूं.....।

मैं आत्मा सुख के झूले में झूल रही हूं.....।

मैं आत्मा प्रेम के झूले में झूल रही हूं.....।

यह भी याद रहे :- साधन भल यूज़ करें लेकिन साधनों के पीछे कहीं साधना न छूट जाए। परमात्म प्यार व सुख से वंचित न रह जाएं। यह संगमयुग का अमूल्य समय अतीन्द्रिय सुख अनुभव करने का समय है और भविष्य ऊंच अधिकारी पद प्राप्त करने का आधार है।

होमवर्क :- व्यर्थ संकल्पों से संपूर्ण रूप से मुक्त होने के लिए मुरली को दिन में कम से कम पांच बार रिवाईज़ करेंगे, और मनन-चिन्तन करेंगे।

दृढ़ प्रतिज्ञा :- बाबा से मिलन मनाने के लिए जब मधुबन में आयेंगे तो बापदादा की शिक्षा के अनुसार स्वयं में परिवर्तन करके आयेंगे। कोई न कोई जो कुछ पुरुषार्थ में खुद समझो कि यह नहीं होना चाहिए, वह परिवर्तन करके आयेंगे! परिवर्तन सेरीमनी मनायेंगे। इस तरह हम परमात्म गोदी में रहेंगे, तख्त पर बैठे रहेंगे, झूलों में झूलते रहेंगे। यह परमानंद की मस्ती का अनुभव रहेगा।

पुरुषार्थ :- अभी समय के अनुसार ढीला-ढाला पुरुषार्थ छोड़ तीव्रता के साथ सहज पुरुषार्थ की स्पीड अति फास्ट निरन्तर व नेचुरल चलती रहे।

स्वमान -मैं आत्मा मास्टर ज्ञानसूर्य हूँ।

हम अपने मन और बुद्धि की एकाग्रता बढ़ाने के लिए बहुत सुन्दर अभ्यास करेंगे। भगवान से मिलन मनाने का पूरा-पूरा आनन्द लेंगे। भगवान के प्यार में मग्न हो जाएंगे।

स्वमान :- मैं आत्मा मास्टर ज्ञानसूर्य हूं.....।

योगाभ्यास :- पतित पावन ज्ञानसूर्य शिवबाबा मुझ से मिलन के लिए अपने परमधाम को छोड़ कर मेरे पास आ रहे हैं...., शिव बाबा से निकल रही सर्वशक्तियों की रंगबिरंगी किरणों का प्रकाश समस्त विश्व में फैल रहा है...., अब प्यारे बाबा बिल्कुल मेरे मस्तक के पास पहुंच गए हैं.... मस्तक में विराजमान मुझ आत्मा को टच कर सर्वशक्तियों की आनंददायी अनुभूति करा रहे हैं....., वाह कितने सुखद, अलौकिक, न्यारे, प्यारे आनन्द अनुभव करने वाले यह क्षण हैं.....। मैं आत्मा सम्पूर्ण पावन बनती जा रही हूं...., तन, मन शांत, शीतल, शुद्ध पवित्र होते जा रहे हैं..., लंबे समय तक बाबा के साथ कम्बाइन्ड होकर मैं आत्मा एकदम हल्की हो गई हूं.....। ज्ञान सूर्य शिव बाबा की किरणों से मैं नहा रही हूं.....। कितना आनंद आ रहा है...., वाह मेरे मीठे बाबा, प्यारे बाबा...., वाह...।

चलते-फिरते अनुभूति : - मैं अव्यक्त फरिश्ता हूं.....। कर्म करते बापदादा को बीच-बीच में अपने पास बुलाएंगे और कभी बाबा के पास सूक्ष्मवतन का अनुभव करेंगे। मैं अव्यक्त फरिश्ता सूक्ष्मवतन से आया हूं.....। इस साकार कर्मक्षेत्र में ब्रह्मा बाप समान कर्मयोगी हूं.....। प्यारे अव्यक्त ब्रह्मा बाबा फरिश्ता रुप में बाहें पसारे मेरे सामने खड़े हैं....., बाबा मुझे शक्तिशाली दृष्टि दे रहे हैं....। ब्रह्मा बाबा की भृकुटि से ज्ञानसूर्य शिव बाबा की सर्वशक्तियों की किरणें मुझ आत्मा के ऊपर पड़ रही हैं.....। मैं एकदम हल्का, डबल लाईट फरिश्ते की अनुभूति कर रहा हूं.....।

दिन में पांच वार ट्रॉफिक कन्ट्रोल :- अनुभव करेंगे कि हजार भुजाओं के साथ सर्वशक्तिवान बाबा मेरे पास आ गया है, बाबा ने मेरे चारों ओर अपनी भुजाएं फैला दी हैं....., चारों ओर से मुझ में बाबा की शक्तियां समा रही हैं..., बाबा कह रहे बच्चे आज से मेरी सर्व शक्तियां तुम्हारी हैं तुम मास्टर सर्वशक्तिवान हो, विघ्नविनाशक हो, मास्टर ज्ञान सूर्य हो..., परमपवित्र आत्मा हो....। अनुभव करें बाबा हमें अनेक वरदानों से भरपूर कर रहा है...।

धारणा :- मन-वचन-कर्म में सम्पूर्ण पवित्रता।

चिन्तन :- साक्षीदृष्टा कैसे रहें?

अपनी स्थिति को शक्तिशाली बनाने के लिए चिन्तन करना अति आवश्यक है। हर परिस्थिति में स्वस्थिति शक्तिशाली बनाए रखने के लिए साक्षीदृष्टा कैसे रहें। इस पर मनन-चिन्तन कर लिखेंगे। जो मक्खन निकलेगा वह आत्मा को शक्तिशाली बना देगा।

वाराणसी। डी.एल.डब्ल्यू. संस्थान में राजयोग उप-सेवाकेन्द्र के पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में 'तनाव प्रबंधन' विषय पर चर्चा करते हुए वी.पी. खरे, महाप्रबन्धक, आस्थाना जी,मुख्य यांत्रिक अभियंता, एस.पी. पिपलानी,भण्डार नियंत्रक, ब्र.कु. सरोज, ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. निर्मला तथा अन्य।

राजयोग से ...पेज 1 का शेष....

हमें स्वत: ही प्राप्त होता है। हमारे पूर्वज भी देवता कहलाते हैं, इसलिए आज तक भी मनुष्य उनके जड़ चित्रों से कुछ न कुछ मांगते ही रहते हैं। अध्यक्षीय वक्तव्य में ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि हमारा ये जीवन प्रभु का उपहार है, हमें अपने जीवन को श्रेष्ठ कार्यों में ही लगाना है। हमें अपने अन्दर के मौलिक गुणों को निखारने की आवश्यकता है। ब्र.कु. नरेन्द्र,दिल्ली ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही पुलिस की सेवाओं की जानकारी दी। कर्नल सती ने सभी को एक्सरसाइज़ कराई। मंच संचालन ब्र.कु. हुसैन ने किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली एवं गुड़गांव से 300 से भी अधिक पुलिस और अर्ध सैनिक बलों के जवानों ने भाग लिया, कार्यक्रम में गुड़गांव एवं रेवाड़ी के ए.सी.पी. भी शामिल हुए।

राजकोट। 'परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय' विषय के अंतर्गत आयोजित 'सर्वधर्म सद्भावना स्नेह मिलन' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए क्रिश्चियन धर्म के बिशप जोस, हज़रत मौलाना सैय्यद हाजी सिकंदरबापू कादरी,अशगर वंथलीवाला,वोहरा समाज, सरदार भागसिंह, ब्र.कु.भारती,क्षेत्रीय संचालिका, ब्र.कु. मनोरमा,इलाहाबाद।

शिमला-सुन्नी। ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला का उद्घाटन करते हुए चेयरमैन नगर परिषद सुनिता, पूर्व विधायक हीरालाल, ब्र.कु. शकुंतला तथा अन्य।

सोजित्रा-गुज.। श्री फुनीबा सार्वजनिक महिला पुस्तकालय में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए ब्र.कु. भगवती। साथ हैं वर्षा मेहता,ग्रंथालय नियामक,गुज., श्रीमती रोहिणी बहन,प्रेसीडेन्ट,सोजित्रा महिला पुस्तकालय, अरुण देसाई,प्रेसीडेन्ट, पेटलाद महिला पुस्तकालय तथा अन्य।

सादुल शहर। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद सदस्य बलदेव सिंह बराड़ को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. माधवी।

पाण्डव भवन-माउण्ट आबू। पाण्डव भवन का अवलोकन करने के पश्चात् समूह चित्र में शिरडी सांई बाबा ट्रस्ट के चेयरमैन व विधायक ससाने जी व उनकी धर्मपत्नी,चेयरमैन,नगरपालिका रामपुर, ब्र.कु. शीलू, ब्र.कु. इंदिरा, ब्र.कु. शशिकांत व ब्र.कु. चंद्रशेखर।

गांधीनगर-गुज.। ई.बी.आई.ज़ेड. डॉट कॉम प्रा. लि. के कॉन्वोकेशन के प्रारंभ में शिव संदेश व आशीर्वचन देते हुए ब्र.कु. शारदा, क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. कैलाश, ब्र.कु. तारा तथा ब्र.कु. रंजन।